संजीव®

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

12 जनवरी, 2024 को जारी संशोधित विज्ञप्ति के अनुसार

पशु परिचर

सीधी भर्ती परीक्षा

- पाठ्यक्रम के सभी बिन्दुओं का समावेश
- जनवरी, 2024 तक के नवीन तथ्यों का समावेश
- महत्त्वपूर्ण वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का संग्रह
- राजस्थान सामान्य ज्ञान – नवीन 10 संभागों एवं 50 जिलों पर आधारित

संपादक
डॉ. दीपेश कुमार सैनी

मार्गदर्शक
नरेन्द्र सिंह चौहान
(RAS चयनित)

लेखक
QUALITY EDUCATION
के विषय विशेषज्ञों की
टीम द्वारा तैयार

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-3
  Website : www.sanjivprakashan.com

- **© संजीव प्रकाशन**

- **मूल्य : ₹ 600.00**

- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- **मुद्रक :**
  पंजाबी प्रेस, जयपुर

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं-
  Email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके-इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

पाठ्यक्रम

भाग-(अ) (भारांक 70 प्रतिशत)

प्रश्नों की संख्या : 105 **पूर्णांक : 105**

राजस्थान राज्य के विशिष्ट संदर्भ के साथ माध्यमिक स्तर का सामान्य ज्ञान, जिसमें दैनिक विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन, भूगोल, इतिहास, संस्कृति, कला, समसामयिक विषय आदि समाविष्ट हों, पर वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न।

भाग-(ब) (भारांक 30 प्रतिशत)

प्रश्नों की संख्या : 45 **पूर्णांक : 45**

पशुपालन से संबंधित निम्न बिन्दुओं का सामान्य ज्ञान, जिसमें प्रदेश में पशुओं की प्रमुख देशी नस्लें, कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण, संकर प्रजनन, दुग्ध दोहन दुग्ध स्रवण काल, स्वच्छ दूध उत्पादन, पशु एवं कुक्कुट प्रबंधन, जैविक अपशिष्टों का निस्तारण, संतुलित पशु आहार, चारा फसलें, चारा/चारागाह विकास, स्वस्थ एवं बीमार पशुओं की पहचान, पशुओं में अंत: एवं बाह्य परजीवी रोग, पशुओं में टीकाकरण, पशुधन प्रसार, भेड़-बकरियों का स्वास्थ्य कलेण्डर, ऊन, मांस, दूध व अंडों का देश व राज्य में उत्पादन व स्थान, प्रति व्यक्ति दूध/मांस/अंडों की उपलब्धता, प्रति पशु दूध की उत्पादकता, ऊन कतरन, भार ढोने वाले पशु, वर्मी कम्पोस्ट खाद, पशुओं के चमड़े एवं हड्डियों का उपयोग, पशुओं की उम्र ज्ञात करना, पॉलीथीन से पशुओं/पर्यावरण को हानि, पशु बीमा, पशु क्रय के समय रखी जाने वाली सावधानियाँ, पशु मेलें, पशुगणना, गौशाला प्रबंधन, साफ-सफाई का महत्त्व, गोबर-मूत्र का उचित निष्पादन, पशुधन उत्पादों का विपणन, डेयरी विकास गतिविधियों तथा पशुपालन विभाग की प्रमुख योजनाएँ आदि का समावेश हों, पर वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न।

परीक्षा की स्कीम–पशु परिचर के पदों पर भर्ती परीक्षा की स्कीम निम्नानुसार है–

प्रश्न-पत्र का भाग	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	परीक्षा की अवधि
भाग-(अ)	105	105	03 घंटे
भाग-(ब)	45	45	
कुल योग	**150**	**150**	

नोट–

1. पाठ्यक्रम के अनुसार समान अंक वाले बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ प्रकार के) कुल 150 प्रश्न होंगे।
2. अधिकतम पूर्णांक 150 अंक होंगे।
3. प्रत्येक सही उत्तर के लिये अधिकतम 1 (एक) अंक देय होगा।
4. प्रत्येक गलत उत्तर के लिये 1/4 अंक काटा जाएगा।
5. प्रश्न-पत्र में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।
6. परीक्षा का मानक स्तर सैकण्डरी का होगा।

पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा

INDEX

भारांक 70% **भाग (अ)** **105 अंक**

- राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था 9
- राजस्थान की राजव्यवस्था 49
- राजस्थान का इतिहास 68
- राजस्थान की कला एवं संस्कृति 99
- भौतिक विज्ञान 127
- रसायन विज्ञान 151
- जीव विज्ञान 166
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण 186
- गणित 196-272

1. संख्या पद्धति 196
2. सरलीकरण 200
3. वर्गमूल एवं घनमूल 202
4. घातांक एवं करणी 205
5. भिन्न 207
6. लघुत्तम समापवर्त्य व महत्तम समावर्तक 212
7. गुणनखण्ड 216
8. समीकरण 218
9. अनुपात, समानुपात एवं समानुपाती भाग 220
10. प्रतिशतता 224
11. लाभ और हानि 228
12. औसत 232
13. साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज 236
14. मिश्रण 240
15. समय, चाल एवं दूरी 244
16. कार्य और समय 249
17. क्षेत्रफल 253
18. आयतन 257

19. ज्यामिति 261
20. त्रिकोणमिति 270

- भारत का भूगोल 273
- भारतीय अर्थव्यवस्था 302
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था 312
- भारत का इतिहास, कला एवं संस्कृति 338

भारांक 30% भाग (ब) 45 अंक

- पशुपालन से संबंधित सामान्य ज्ञान 388-488

1. प्रदेश में पशुओं की प्रमुख देशी नस्लें 389
2. कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण एवं संकर प्रजनन 396
3. दुग्ध दोहन, दुग्ध स्रवण काल एवं स्वच्छ दुग्ध उत्पादन 404
4. पशु एवं कुक्कुट प्रबन्धन 409
5. पशु फार्म के जैविक अपशिष्टों का निस्तारण 419
6. सन्तुलित पशु आहार, चारा फसलें एवं चरागाह विकास 422
7. स्वस्थ एवं बीमार पशुओं की पहचान 431
8. पशुओं में अन्तः एवं बाह्य परजीवी रोग 437
9. पशुओं में टीकाकरण एवं सामान्य औषधियाँ 440
10. पशुधन प्रसार 443
11. भेड़-बकरियों का स्वास्थ्य कैलेण्डर 447
12. ऊन, मांस, दूध व अण्डों का देश व राज्य में उत्पादन, प्रति व्यक्ति दूध, मांस व अण्डों की उपलब्धता 450
13. प्रति पशु दूध की उत्पादकता, ऊन कतरन, भार ढोने वाले पशु 453
14. वर्मी कम्पोस्ट खाद, पशुओं के चमड़े एवं हड्डियों का उपयोग 457
15. पशुओं की उम्र ज्ञात करना 459
16. पॉलीथीन से पशुओं एवं पर्यावरण को हानि तथा पशु बीमा 462
17. पशु क्रय के समय रखी जाने वाली सावधानियाँ, पशु मेले व पशु गणना 466
18. गौशाला प्रबंधन एवं साफ-सफाई का महत्त्व, गोबर, मूत्र का उचित निस्पादन 470
19. पशुधन उत्पादों का विपणन तथा डेयरी विकास गतिविधियाँ 478
20. पशुपालन विभाग की प्रमुख योजनाएँ 484

भारांक 70%

भाग (अ)

अंक 105

- राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था
- राजस्थान की राजव्यवस्था
- राजस्थान का इतिहास
- राजस्थान की कला एवं संस्कृति
- भौतिक विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- जीव विज्ञान
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण
- गणित
- भारत का भूगोल
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
- भारत का इतिहास, कला एवं संस्कृति

राजस्थान का भूगोल एवं अर्थव्यवस्था

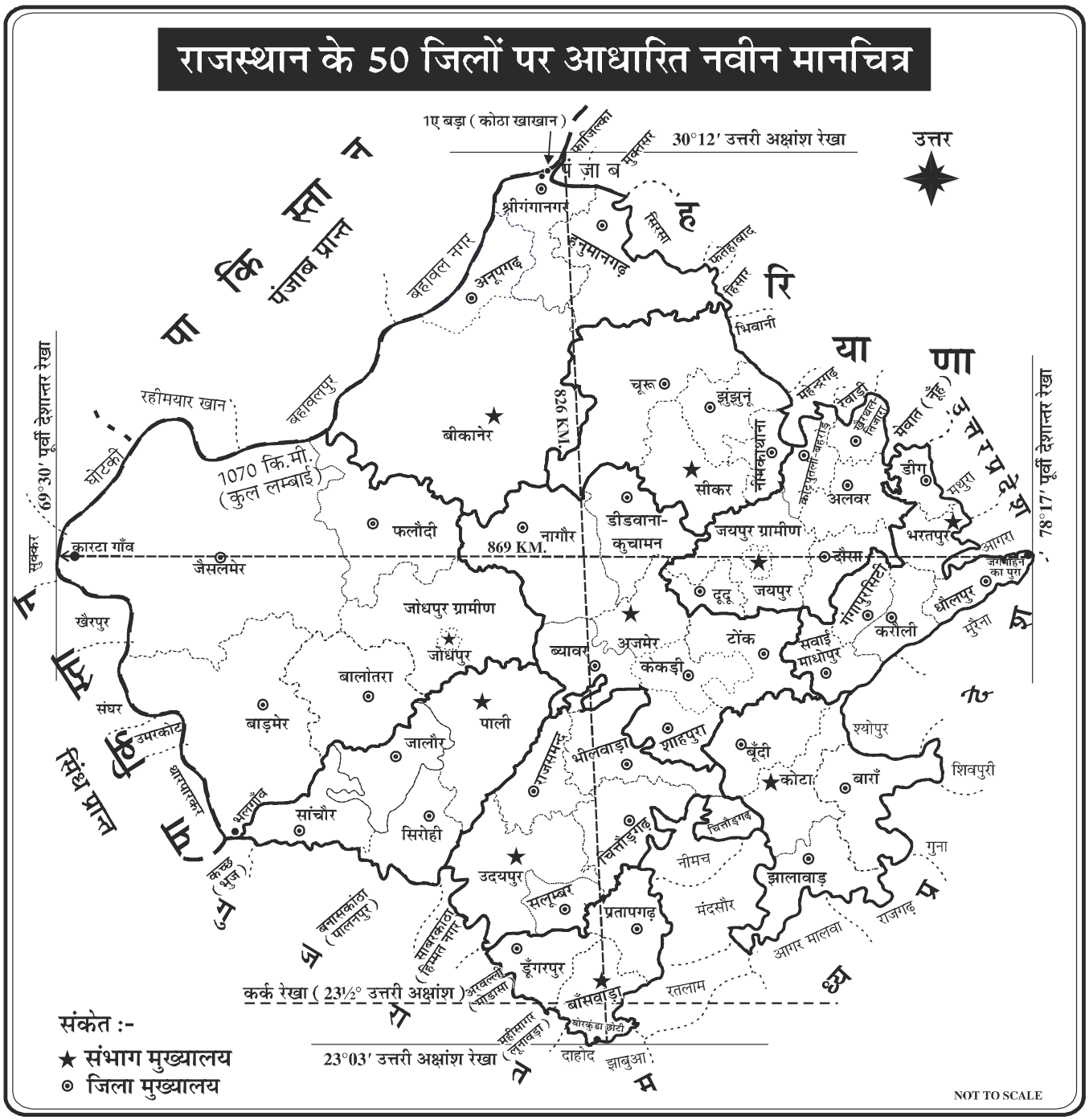

राजस्थान का सामान्य परिचय

- मार्च, 2022 में गठित रामलुभाया समिति की सिफारिश पर 5 अगस्त, 2023 को जिलों के पुनर्गठन की अधिसूचना जारी की गई। इस अधिसूचना के अनुसार 7 अगस्त, 2023 को 19 जिलों का पुनर्गठन कर 19 नए जिलों एवं 3 संभागों का गठन किया गया। इस पुनर्गठन के फलस्वरूप राज्य में अब कुल जिलों की संख्या 50 एवं कुल संभागों की संख्या 10 हो गई है।
- **राजस्थान के नवगठित 19 जिले**—(1) ब्यावर, (2) केकड़ी, (3) डीडवाना-कुचामन, (4) शाहपुरा, (5) डीग, (6) अनूपगढ़,

(7) गंगापुरसिटी, (8) जयपुर, (9) जयपुर ग्रामीण, (10) दूदू, (11) कोटपूतली-बहरोड़, (12) खैरथल-तिजारा, (13) जोधपुर, (14) जोधपुर ग्रामीण, (15) फलौदी, (16) बालोतरा, (17) सांचौर, (18) नीमकाथाना एवं (19) सलूम्बर।

- जयपुर जिले का विघटन कर 4 नवीन जिलों- जयपुर, जयपुर ग्रामीण, दूदू एवं कोटपूतली-बहरोड़ (इसमें अलवर जिले का भी कुछ भाग शामिल है)तथा जोधपुर जिले का विघटन कर जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण एवं फलौदी (इसमें जैसलमेर जिले का कुछ भाग शामिल है) का गठन किया गया।
- **अपरिवर्तित जिले (14)**—चूरू, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़, सिरोही, राजसमंद, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर, प्रतापगढ़, दौसा एवं धौलपुर।
- **नवगठित संभाग**
  (1) **सीकर :** सीकर, झुंझुनूँ, नीमकाथाना व चूरू।
  (2) **पाली :** पाली, जालोर, सांचौर व सिरोही।
  (3) **बाँसवाड़ा :** बाँसवाड़ा, डूँगरपुर व प्रतापगढ़।

राजस्थान का भौगोलिक स्वरूप

क्षेत्र एवं स्थिति

- राजस्थान $23^0 3'$ से $30^0 12'$ उत्तरी अक्षांश तथा $69^0 30'$ से $78^0 17'$ पूर्वी देशान्तरों के मध्य स्थित है। यह कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है। कर्क रेखा डूँगरपुर के दक्षिणी भाग से व बाँसवाड़ा के लगभग मध्य से होकर गुजरती है। राजस्थान की उत्तर से दक्षिण की लम्बाई 826 कि.मी. एवं पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई 869 कि.मी. है। क्षेत्रफल की दृष्टि से जैसलमेर राज्य का सबसे बड़ा जिला है एवं जोधपुर सबसे छोटा जिला है।
- राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है।
- राजस्थान की आकृति विषमकोणीय चतुर्भुज या पतंग के समान है।
- राजस्थान राज्य का क्षेत्रफल (3,42,239.74 वर्ग किमी.) इजराइल से लगभग 16 गुना, भूटान से 9 गुना, स्विट्जरलैण्ड से 8 गुना, श्रीलंका से 5 गुना, नेपाल व बांग्लादेश से 2 गुना, यूनाइटेड किंगडम से लगभग 1.5 गुना एवं नॉर्वे, जापान, जर्मनी, फिनलैण्ड, इटली, फिलीपींस आदि देशों के लगभग बराबर है।
- राजस्थान की स्थलीय सीमा की लम्बाई 5920 किमी. है, जिसमें 1070 किमी. अन्तर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ सीमा) भी शामिल है।
- राजस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय सीमा (भारत-पाकिस्तान)को स्पर्श करने वाले जिले उत्तर से दक्षिण क्रमशः श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, फलौदी (न्यूनतम), जैसलमेर (सर्वाधिक) व बाड़मेर हैं।
- राजस्थान पंजाब (न्यूनतम 89 किमी.), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश (सर्वाधिक 1600 किमी.) व गुजरात के साथ सीमा बनाता है।
- राज्य का उत्तरतम बिन्दु कोणा गाँव (श्रीगंगानगर), दक्षिणतम बिन्दु बोरकुण्ड (बाँसवाड़ा), पूर्वी बिन्दु जगमोहन का पुरा (धौलपुर) एवं पश्चिमी बिन्दु कटरा गाँव (जैसलमेर) है।
- राजस्थान के पुनर्गठन के बाद राज्य में 21 अन्तर्वर्ती जिले हैं, जो अग्रानुसार हैं— अजमेर, पाली, राजसमंद, बूँदी, टोंक, दौसा, नागौर, जोधपुर ग्रामीण, बालोतरा, जालोर, ब्यावर, केकड़ी, शाहपुरा, डीडवाना-कुचामन, गंगापुर सिटी, सलूम्बर, दूदू, जयपुर, जयपुर ग्रामीण व सीकर।
- राज्य में सूर्य की किरणें सर्वाधिक सीधी बाँसवाड़ा में एवं सर्वाधिक तिरछी श्रीगंगानगर जिले में पड़ती हैं।
- राज्य में सबसे पहले सूर्योदय एवं सूर्यास्त जगमोहन का पुरा (धौलपुर में) तथा सबसे बाद में सूर्योदय व सूर्यास्त कटरा गाँव (जैसलमेर) में होता है।

भौगोलिक प्रदेश

राजस्थान की जलवायु एवं धरातल के आधार पर राज्य को मुख्य रूप से चार भौतिक विभागों में बाँटा जा सकता है-

1. उत्तरी-पश्चिमी मरुस्थलीय भाग

- यह राज्य के कुल क्षेत्रफल के लगभग 61 प्रतिशत (लगभग दो तिहाई) भाग (12 जिलों) में विस्तृत है तथा यहाँ राज्य की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। यहाँ वर्षा का वार्षिक औसत 20 से.मी. से 50 से.मी. तक है तथा तापान्तर भी अधिक पाया जाता है।
- उच्चावच की दृष्टि से इसे पुनः चार उप-प्रदेशों में बाँटा जा सकता है- (i) महान मरुस्थल, (ii) बाड़मेर, जैसलमेर एवं बीकानेर का चट्टानी प्रदेश, (iii) लघु मरुस्थल एवं (iv) अर्द्ध-शुष्क प्रदेश।
- जैसलमेर में लाठी सीरीज क्षेत्र स्थित है जो एक भू-गर्भीय जल पट्टी है।
- महान मरुस्थल का अधिकांश भाग बालुका स्तूपों से ढ़का हुआ है, जबकि बाड़मेर-जैसलमेर-बीकानेर चट्टानी प्रदेश बालूका स्तूपों से सर्वथा मुक्त है।
- थार का मरुस्थल विश्व का सर्वाधिक आबादी एवं जैव विविधता वाला मरुस्थल है।
- इस प्रदेश की प्रमुख नदी लूनी है, जो अजमेर के नाग पहाड़ से निकलकर नागौर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर व जालौर में बहते हुए कच्छ के रण में विलुप्त हो जाती है। इस नदी का पानी बालोतरा तक मीठा एवं उसके पश्चात् खारा हो जाता है।
- लूनी नदी का सम्पूर्ण अपवाह तंत्र एक जलोढ़ मैदान का निर्माण करता है, जिसे लूनी बेसिन के नाम से जाना जाता है। यहाँ पंचपद्रा, सनवरला, कपराना में खारे पानी के गर्त स्थित हैं।
- इस प्रदेश में गर्मियों का उच्चतम तापमान 49^0 सेल्सियस व सर्दियों में यह तापमान -3^0 सेल्सियस तक चला जाता है।
- 50 सेमी सम वर्षा रेखा इसे अरावली पर्वतमाला से पृथक् करती है।
- 25 सेमी सम वर्षा रेखा पश्चिमी रेतीले मैदान को दो भागों में बाँटती है।
- इस प्रदेश की वनस्पति में रोहिड़ा, बबूल, खेजड़ी, कैर, बेर, सेवण घास, मुरात घास, धामण घास एवं कंटीली झाड़ियाँ प्रमुख हैं।
- थार मरुस्थल थली या शुष्क बालूका मैदान के नाम से भी जाना जाता है, जो 'ग्रेट पेलियोआर्कटिक अफ्रीकी मरुस्थल' का पूर्वी भाग है।
- मरुस्थलीय प्रदेश में बालूका स्तूपों का विस्तार है, जिनके प्रकार निम्न हैं—
  (i) **रेखीय/पवनानुवर्ती/अनुदैर्ध्य/सीफ :** पवनों के प्रवाह की दिशा के समानान्तर।
  (ii) **बरखान/अर्द्ध-चन्द्राकार बालूका स्तूप :** इनका विस्तार चूरू, जैसलमेर, सीकर, सूरतगढ़, लूणकरणसर, करणीमाता, बाड़मेर, ओसियां, जोधपुर में मिलता है।
  (iii) **अनुप्रस्थ बालूका स्तूप :** पवनों के प्रवाह की दिशा के समकोण पर।
  (iv) **परबलयिक बालूका स्तूप :** आकार में ये महिलाओं की हेयर